खाद्य प्रसंस्करण, सेमीकंडक्टर व पर्यटन में सहयोग : केइची

राज्य ब्यूरो, जागरण ● **लखनऊ:** भारत और जापान की जरूरतें अब एक-दूसरे से जुड़ गई हैं। भारत में जापान के राजदूत ओनो केइची ने कहा, 'आज जापान को भारत की और भारत को जापान की जरूरत है।' दोनों देशों की ताकत को जोड़कर उत्तर प्रदेश में निवेश, तकनीक और रोजगार के नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। जापान खासतौर पर प्रदेश के खाद्य प्रसंस्करण, एडवांस्ड टेक्नोलाजी, सेमीकंडक्टर और पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने को तैयार है।

शुक्रवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026 में 'फ्राम फार्म गेट टू ग्लोबल प्लेट' विषय पर हुए सत्र में उत्तर प्रदेश की कृषि उपज को आधुनिक तकनीक के जरिये बेहतर उत्पाद में बदलकर देश-विदेश के बाजार तक पहुंचाने पर चर्चा हुई। जापानी तकनीक से फल और अन्य कृषि उत्पादों की प्रोसेसिंग, पैकेजिंग और गुणवत्ता सुधारने की संभावनाएं तलाशी गईं। जापान के राजदूत ने कहा कि भारत के पास बड़ा बाजार, विशाल मानव संसाधन और कृषि उत्पादों की व्यापक विविधता है, जबकि जापान के पास उन्नत तकनीक, गुणवत्ता और उत्पादन के क्षेत्र में लंबा अनुभव है। दोनों की क्षमताओं को जोड़कर नए अवसर पैदा किए जा सकते हैं। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में यह साझेदारी किसानों और उद्योगों दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। कहा कि भारत और जापान के रिश्ते केवल व्यापार तक सीमित नहीं हैं। दोनों देशों के बीच पुराना सांस्कृतिक संबंध भी है। अब इस रिश्ते को तकनीक, निवेश और कारोबार के नए अवसरों से और मजबूत करने की जरूरत है।

यूपी-जापान इन्वेस्टमेंट मीट-2026

- **जापानी राजदूत बोले, भारत-जापान के रिश्ते को तकनीक, निवेश व कारोबार से और मजबूत करने की जरूरत**
- **खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में किसानों और उद्योगों के लिए फायदेमंद साबित होगी दोनों देशों की साझेदारी**

लखनऊ में जापान के राजदूत ओनो केइची को गौतम बुद्ध की प्रतिमा भेंट करते उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ●

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि प्रदेश के उत्पादों को जापानी तकनीक और विशेषज्ञता का साथ मिले तो दुनिया के हर किचन तक यहां के उत्पाद पहुंच सकते हैं। किक्कोमन इंडिया के निदेशक हैरी हकुई कोसाटो ने कहा कि जापानी कंपनियों को भारतीय उपभोक्ताओं की पसंद के अनुसार अपने उत्पादों में बदलाव करना होगा। भारत में जापानी और पैन-एशियन व्यंजनों की बढ़ती स्वीकार्यता को उन्होंने बड़ा अवसर बताया। कार्यक्रम में गोल्डी ग्रुप के निदेशक सुदीप गोयनका और अमूल (बनास डेरी) के यूपी आपरेशंस प्रमुख दिनेश कुमार चौधरी ने भी अपनी विस्तार योजनाएं साझा कीं। सत्र में फूड प्रोसेसिंग के साथ तकनीक, सप्लाई चेन, स्थानीय उत्पादन और बाजार विस्तार को भारत-जापान सहयोग के प्रमुख क्षेत्रों के रूप में सामने रखा गया।

सीएम से मिले राजदूत ओनो: जापानी राजदूत ओनो केइची ने शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उप्र और जापान के बीच सेमीकंडक्टर, उन्नत तकनीक, विनिर्माण, एमएसएमई, कौशल विकास व पर्यटन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया गया।